पाठ :- 2

जूझ

आनंद यादव

प्रश्न:1 'जूझ' शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि क्या यह शीर्षक कथा नायक की किसी केंद्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है ?

उत्तर:1 **शीर्षक का तात्पर्य :**

जूझ का अर्थ होता है - युद्ध या लड़ाई जब व्यक्ति किसी परिस्थिति या समस्याओं से जूझता है, तो उस समस्या व परिस्थिति से उसकी एक प्रकार की लड़ाई होती है। जिसे जूझ कहते हैं। मानव अपने जीवन में सदैव परिस्थितियों व समस्याओं से जूझता रहता है।

शीर्षक का औचित्य :

लेखक ने अपनी आत्मकथा का शीर्षक जूझ उचित ही रखा है। लेखक बचपन से ही पग-पग पर समस्याओं से जूझता रहा, उसे बचपन में खेती बाड़ी का कठोर काम करना पड़ा। इस कारण उसको पढ़ाई से वंचित होना पड़ा। लेखक कहता है। खेती के काम की चक्की की अपेक्षा मास्टर की छड़ी की मार अच्छी लगती थी। लेखक को दोबारा स्कूल जाने पर वहाँ की परिस्थितियों से जूझना पड़ा। इस प्रकार यह शीर्षक कथा नायक की जूझने की क्षमता को उजागर करता है।

प्रश्नः 2 स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ ?

उत्तरः 2 अन्य कविताओं से पैदा आत्मविश्वास :

मास्टर सौंदलगेकर कक्षा में कविता पढ़ाते समय उसी भाव की अन्य कवियों की कविताएँ भी पढ़ाते थे। वह स्वयं भी कवि थे। कभी - कभी वे कक्षा में अपनी रची हुई कविता का पाठ भी करते थे। उनकी इसी सोच ने लेखक के अंदर कविता रच लेने का आत्मविश्वास पैदा किया।

लेखक द्वारा कविता रचना :

लेखक ने अपने मास्टर की देखा - देखी प्राकृतिक दृश्यों व आस - पास के वातावरण पर कविता रचना शुरू कर दिया। अब वह अन्य कवियों की कविता के साथ - साथ अपनी कविता का पाठ भी करता था।

मास्टर द्वारा पथ प्रदर्शन :

लेखक कविता लिखकर मास्टर सौंदलगेकर को दिखाता था। वह उसको उत्साहित करते और छंद, लय, यति, गति, अलंकार आदि का ज्ञान भी कराते थे। इस प्रकार मास्टर की प्रेरणा से लेखक एक अच्छा कवि बन गया।

theboardstudy.com

प्रश्न:3 श्री सौंदलगेकर के अध्यापन की उन विशेषताओं को रेखांकित करें जिन्होंने कविताओं के प्रति लेखक के मन में रुचि जगाई।

उत्तर:3 सौंदलगेकर का अध्यापन :
सौंदलगेकर एक योग्य अध्यापक थे। वे कक्षा में पढ़ाते समय कविता पाठ में रम जाते थे। वे गाकर कविता पाठ करते हैं। उसमें छंद, अलंकारों का बहुत अच्छे से समावेश करते थे। वे मराठी कविताओं के साथ-साथ अंग्रेजी कविताएँ भी सुनाते थे। उनमें श्रोता छात्रों को भाव-विभोर करने का अनुपम गुण था।

सौंदलगेकर का काव्य विषयीज्ञान :
मास्टर सौंदलगेकर जब अभिनव करते हुए अपने मधुर कंठ से कविता करते थे। तब छात्र मंत्र मुग्ध हो जाते थे। उन्हें छंदों की लय, गति, ताल की अच्छी समझ थी।

प्रश्न:4 कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया?

उत्तर:4 लेखक की पूर्व धारणा :
कविता के प्रति लगाव से पूर्व कवि की धारणा अत्यंत कठोर व दुखदायी थी वह खेतों में अकेले काम करते हुए ऊब जाता था और उसके मन में नीरसता उत्पन्न हो

खाती थी काम करते हुए उसे बहुत ही अकेलापन महसूस होता था। इसलिए काम करते समय कोई न कोई उसके साथ होना चाहिए ऐसा अनुभव करता था।

लेखक की बाद की धारणा :

कविता के प्रति लगाव होने के बाद लेखक की उपर्युक्त सारी धारणा बदल गयी। अब वह अन्य लोगों का साथ नहीं चाहता था बल्कि उससे बाधा अनुभव करता था। अब उसके साथ व्यक्ति नहीं कविता थी। वह कविता में आनंद लेता था। लेखक खेतों में कविता गाता था। और अभिनय भी किया करता था।

प्रश्न : 6 दत्ता जी राव से पिता पर दबाव डलवाने के लिए लेखक और उसकी माँ को एक झूठ का सहारा लेना पड़ा। यदि झूठ का सहारा न लेना पड़ता तो आगे का घटनाक्रम क्या होता ? अनुमान लगाएँ।

उत्तर : 6 झूठ का सहारा :

लेखक के पिता उसे स्कूल नहीं भेजना चाहते थे और लेखक अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहता था, लेकिन वो ये बात अपने पिता से कहने में डरता था, वह जानता था कि यदि कोई मान्य व्यक्ति उन्हें समझा देगा तो वे मान जाएंगे। इसलिए उसकी माँ और उसने दत्ता जी राव देसाई के पास जाने की योजना बनाई। उनकी बात सुनकर दत्ता जी राव ने दादा को धमकाया।

और वो लेखक को स्कूल भेजने को राजी हो गया।

यदि झूठ का सहारा नहीं लेते : यदि लेखक व उसकी माँ दत्ता जी राव से सीधी बात कह देते, तो वे दादा पर इतना दबाव नहीं बनाते समान्य भाषा में कह देते, जिससे दादा लेखक को स्कूल न भेजते।

आनंद यादव

जीवनपरिचय : 1935

इनका जन्म 1935 में कागल, कोल्हापुर (महाराष्ट्र) में हुआ था। इनका पूरा नाम आनंदरतन यादव है। पाठकों के बीच आनंद यादव नाम से परिचित हैं। मराठी एवं संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डॉ॰ आनंद यादव बहुत समय तक पुणे विश्वविद्यालय में मराठी विभाग में कार्यरत रहे। यहाँ प्रस्तुत अंश झूझ उपन्यास से लिया गया है, जो सन् 1990 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित हुआ।

इनका निधन सन् 2016 में हो गया।